अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): ठीक है, सर। माननीय सदस्य ने जो बात कही है, उस पर मैं संबंधित मंत्री से बात करूंगा।

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, thank you.

Closure of Rajiv Gandhi Institute of Information Technology in Amethi, Uttar Pradesh

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर सरकार का ही नहीं, पूरा सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के अमेठी में 11 वर्षों से संचालित श्री राजीव गांधी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की शाखा पूरी तरह बंद कर दी गई है। अभी दो दिन पहले 148 छात्रों को वहां से शिफ्ट कर दिया गया है। इससे पहले बलपूर्वक, पुलिस लगाकर 40 छात्राओं को भेजा जा चुका है। सिर्फ इतना ही नहीं, इससे पहले पिछले दो सालों में फूड पार्क, जो खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का था, जिसका भूमि पूजन किया जा चुका था, उसको बंद किया गया, जगदीशपुर की हिंदुस्तान पेपर मिल को भी बंद किया गया। डिस्कवरी पार्क जो किसानों के लिए था, एक बड़ी महत्वाकांक्षी योजना थी, उसको बंद कर दिया गया। एनएचटीआरआईपी जो मोटर व्हीकल्स से संबंधित था, उसे बंद कर दिया गया। मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूँ कि सरकार अनवरत प्रक्रिया है, आज आपकी है, कल हमारी थी, कल फिर हमारी होगी, लेकिन यह राजनीति का एक सबसे घटिया स्वरूप है। राजनीति का एक ऐसा स्वरूप है, जिसकी जितनी आलोचना की जाए, वह कम है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष श्री राहुल गांधी के क्षेत्र की सारी योजनाओं को बंद करके आप उस जनता से बदला ले रहे हैं, जिन्होंने उसे निर्वाचित किया है। ...**(व्यवधान)**... यह राजनीति का एक बहुत ही घटिया स्वरूप है।

महोदय, इस संदर्भ में मैं आगे कहते हुए यह कहना चाहता हूं कि आप कहते रहो कि कांग्रेस-मुक्त भारत बनाओगे, लेकिन आपकी कोशिश है कि जिन संस्थानों पर पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी का नाम लिखा हुआ है, उन्हें आप बंद कर रहे हो। आप लाख कोशिश कर लो, लेकिन उनके त्याग और बलिदान को आप इतिहास से निकाल नहीं पाओगे। जब इतिहास पढ़ा जाएगा, तो आप एक खलनायक के रूप में उभरेंगे। मैं यहां इन शब्दों के साथ इनकी आलोचना करता हूँ कि नेहरू, गांधी परिवार से जुड़ी संस्थाओं को जो बंद किया जा रहा है, यह सीधे मेरे साथ जुड़ा हुआ मामला है, मेरा क्षेत्र साथ में लगा हुआ है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: ठीक है। श्री राजीव शुक्ल। Now, Shri Rajeev Shukla has given notice. He has to associate himself with it. ...*(Interruptions)*... Please. Shri Rajeev Shukla has given notice. So he should associate. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रमोद तिवारीः मैं यह जरूर चाहता हूँ कि आज सरकार आश्वासन दे कि अमेठी और रायबरेली, दोनों क्षेत्रों से ऐसे संस्थान नहीं हटाए जाएंगे। ...**(व्यवधान)**... यह एक राजनीति का घटिया स्वरूप है, जो कभी भी भारत के लोकतंत्र में किसी दल को किसी दूसरे दल के साथ नहीं करना चाहिए। ...**(व्यवधान)**... मैं संपूर्ण सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं। ...**(व्यवधान)**... मैं इतना कहना चाहता हूं कि नेहरू, गांधी परिवार से जुड़े संस्थानों को बंद किया जा रहा है।..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Rajeev Shukla, please. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*... Shri Rajeev Shukla, you can associate with it. ...*(Interruptions)*... Let him associate. ...*(Interruptions)*... I will allow you.

SHRI K. RAHMAN KHAN (Karnataka): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SANTIUSE KUJUR (Assam): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब)ः महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश)ः महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आपको संबद्ध करता हूँ।

श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश)ः डिप्टी चेयरमैन साहब, इस विषय पर मेरा नोटिस है।

श्री उपसभापतिः हां, इसलिए आपको बुलाया।

श्री राजीव शुक्लः महोदय, सरकार स्किल डेवलपमेंट की बहुत बात कर रही है, लेकिन जिस तरह से यह इंफॉर्मेशन टैक्नोलॉजी का सेंटर बंद किया गया, जो इलाहाबाद से एफिलिएटेड था। इससे उन बच्चों का भविष्य अधर में पड़ गया है, जो बच्चे वहां पर थे। उनसे कहा जा रहा है कि आप

इलाहाबाद जाओ, लेकिन उनके लिए बड़ा मुश्किल हो रहा है कि वे इलाबाबाद जाएं। जैसा प्रमोद जी ने बताया कि लगातार कितने इंस्टीट्यूट्स, जो केन्द्र सरकार के अधीन थे, वे वहां बंद किए गए। जो वहां राजीव गांधी जी ने इंडस्ट्रीज़ लगवाई थीं, जैसे खाद कारखाना था, या जगदीशपुर में जो प्लांट्स लगवाये थे और जगहों पर प्लांट्स लगवाए थे, उनको धीरे-धीरे केन्द्र सरकार से आर्थिक मदद कम होती जा रही है या बंद होती जा रही है, जिससे वे तमाम बंद बो गए। ...(**व्यवधान**)... आप सुन तो लो, विनय जी। ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश): पहले ही बंद हो गए थे। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्लः विनय जी, आप सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... पहले से बंद नहीं थे ...(**व्यवधान**)... धीरे-धीरे आप जो कह रहे हैं, पता है। ...(**व्यवधान**)... विनय जी, आप यही आरोप उत्तर प्रदेश सरकार पर लगाते, विभिन्न चुनाव क्षेत्रों में। ...(**व्यवधान**)... आप हमें बोलने दीजिए, वरना हमारा टाइम निकल जाएगा। सर, उसमें क्या है कि अगर चुनाव में कोई व्यक्ति हार जाता है और दूसरा व्यक्ति जीत जाता है, तो क्या वह बदला लेने का तरीका है? इस तरह से होना चाहिए कि उस क्षेत्र को ही नेस्तनाबूद कर देंगे! यह कभी नहीं होता है। जब मनमोहन सिंह जी प्राइम मिनिस्टर थे, दूसरे राज्यों के नेताओं की constituency की खूब मदद करते थे। यह यूपीए गवर्नमेंट की परम्परा रही है, लेकिन इस सरकार में यह देखा गया है कि बदले की भावना से काम करना। अभी HRD मिनिस्टर, हो सकता है, वहां बाद में HRD मिनिस्टर हो गए, तो यह जो परम्परा शुरू हो रही है ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right.

श्री राजीव शुक्लः अच्छा होगा कि इस पर वेंकैया जी जवाब दें और बताएं कि यह क्यों हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... इस तरह की बातें क्यों उठ रही हैं? ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have made your point, please sit down. ...*(Interruptions)*... Now, the Leader of the Opposition wants to speak. ...*(Interruptions)*... Give a notice.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; THE MINISTER OF HOUSING AND POVERTY ALLEVIATION AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Sir, if you are allowing a discussion, ...*(Interruptions)*... Sir, what does a Zero Hour mention mean? How is it mentioned? If four Members start speaking on it. ...*(Interruptions)*...

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): माननीय मंत्री जी, Zero Hour इसलिए उठाया जाता है कि एक स्ट्रक्चर्ड डिस्कशन में चर्चा नहीं होती है। ...(**व्यवधान**)...

†[**قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد)** : مانئیے منتری جی، زیرو-اور اس لئے اٹھایا جاتا ہے کہ ایک اسٹرکچرڈ ڈسکشن میں چرچا نہیں ہوتی ہے ...(مداخلت)...]

श्री उपसभापतिः आप लोग बैठिए।

श्री गुलाम नबी आज़ादः जो यह इश्यू उठाया है, यह बहुत important है। हम पोलिटिकली सोच में डिफर कर सकते हैं, लेकिन जनता से बदले की भावना न आपको करनी चाहिए और न हमको करनी चाहिए। आप भी मंत्री रह चुके हैं और हम भी तीन दशक तक मंत्री रह चुके हैं और अभी मंत्री रहेंगे। हम व्यक्तिगत तौर पर आपकी बहुत इज्जत करते हैं। जब मैं UPA(1) में और UPA(2) में मंत्री बना, सबसे पहले यही बात बताई और हमारे सभी मंत्रियों की सोच वही है, क्योंकि हमारी लीडरशिप की हमेशा वही सोच रही है कि पिछली गवर्नमेंट ने कौन-कौन से वायदे किए थे, सबसे पहले उनको मुकम्मल करो। जो इनकम्पलीट काम हैं, नामुकम्मल काम हैं, प्रोजेक्ट्स हैं, उनको कम्पलीट करो, लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि आज की सरकार में वह सोच नहीं है, वह धारणा नहीं है। यह एक वक्त में 1990 में थी और 2013 तक थी, लेकिन आज नहीं है, क्या कारण हैं, मैं नहीं समझ पा रहा हूं। विशेष रूप से हम अपनी-अपनी constituencies में कभी इसकी बातें नहीं करते हैं। मेरी constituency से लेकर इनकी constituency में सब रोज होता है, लेकिन कम-से-कम डायन भी एक जगह छोड़ देती है। कांग्रेस प्रेजिडेंट और वाइस प्रेजिडेंट की constituency में दो साल के अर्से में इतने सेन्टर प्रोजेक्ट्स बन्द हो जाएं, तो यह बात हमें सोचने पर मजबूर करती है और इस सदन में चर्चा करने पर मजबूर करती है। क्या कारण है कि इतने सेन्ट्रल प्रोजेक्ट्स 2 constituency में ही बंद हो रहे हैं, चाहे वह फूड पार्क की बात हो, राइस मिल की बात हो, हिन्दुस्तान पेपर मिल की बात हो, डिस्कवरी पार्क की बात हो या और कोई बात हो। मैं अपने स्वास्थ्य से संबंधित बात करता हूं। हमें ऑल इंडिया मेडिकल ...**(व्यवधान)**... जितना मेरे समय में बना, उसके बाद वहां कोई ईंट नहीं लगी है। जो रायबरेली का AIIMS है, वह केवल वहीं के लोगों के लिए नहीं, पूरी जनता के लिए है। उसमें बीजेपी के भी वर्कर्स आएंगे, बीएसपी के भी वर्कर्स आएंगे और समाजवादी के भी आएंगे। मरीज किसी पोलिटिकल पार्टी से नहीं होता है। इसी तरह से अमेठी में मैंने रीजनल कैंसर सेन्टर दिया था। उसके लिए तो अभी जमीन भी एक्वायर नहीं की है, वह प्रोजेक्ट है भी या नहीं है? माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब, यह बहुत गंभीर विषय है कि अगर सरकार की इस तरह की धारणा विपक्ष के नेताओं के प्रति हो, तो यह बहुत अफसोस की बात है।

†Transliteration in Urdu script.

† **جناب غلام نبی آزاد :** جو یہ ایشو اٹھایا ہے، یہ بہت امپورٹینٹ ہے۔ ہم پولیٹکلی سوچ میں ڈفر کر سکتے ہیں، لیکن جنتا سے بدلے کی بھاونا نہ آپ کو کرنی چاہئے اور نہ ہم کو کرنی چاہئے۔ آپ بھی منتری رہ چکے ہیں اور ہم بھی تین دہائیوں تک منتری رہ چکے ہیں اور ابھی منتری رہیں گے۔ ہم شخصی طور پر آپ کی بہت عزت کرتے ہیں۔ جب میں یو.پی.اے.-(1) میں اور یو.پی.اے.-(2) میں منتری بنا، سب سے پہلے یہی بات بتائی اور ہمارے سبھی منتریوں کی سوچ وہی ہے، کیوں کہ ہماری لیڈرشپ کی ہمیشہ وہی سوچ رہی ہے کہ پچھلی گوورنمینٹ نے کون کون سے وعدے کئے تھے، سب سے پہلے ان کو مکمل کرو۔ جو ان-کمپلیٹ کام ہیں، نامکمل کام ہیں، پروجیکٹس ہیں، ان کو کمپلیٹ کرو، لیکن مجھے افسوس کے ساتھ کہنا پڑتا ہے کہ آج کی سرکار میں وہ سوچ نہیں ہے، وہ دھارنا نہیں ہے۔ یہ ایک وقت میں 1990 میں تھی اور 2013 تک تھی، لیکن آج نہیں آیا، کیا وجہ ہے، میں نہیں سمجھ پا رہا ہوں۔ خاص طور سے ہم اپنی اپنی کانسٹی-ٹیونسیز میں کبھی اس کی باتیں نہیں کرتے ہیں۔ میری کانسٹی-ٹیونسی سے لے کر ان کی کانسٹی-ٹیونسی میں سب روز ہوتا ہے، لیکن کم سے کم ڈائن بھی ایک جگہ چھوڑ دیتی ہے۔ کانگریس پریزیڈینٹ اور وائس پریزیڈینٹ کی کانسٹی-ٹیونسی میں دو سال کے عرصے میں اتنے سینٹر پروجیکٹس بند ہو جائیں، تو یہ بات ہمیں سوچنے پر مجبور کرتی ہے اور اس سدن میں چرچا کرنے پر مجبور کرتی ہے۔ کیا وجہ ہے کہ اتنے سینٹرل پروجیکٹس دو کانسٹی-ٹیونسیز میں ہی بند ہو رہے ہیں، چاہے وہ فوڈ پارک کی بات ہو،

†Transliteration in Urdu script.

رائس مل کی بات ہو، ہندوستان پیپر مل کی بات ہو، ڈسکوری پارک کی بات ہو یا اور کوئی بات ہو۔ میں اپنے سواستھہ سے سمبندھت بات کرتا ہے۔ ہمیں آل انڈیا میڈیکل ...(مداخلت)... جتنا میرے وقت میں بنا، اس کے بعد وہاں کوئی اینٹ نہیں لگی ہے۔ جو

رائے بریلی کا ایمس ہے، وہ صرف وہیں کے لوگوں کے لئے نہیں، پوری جنتا کے لئے ہے۔ اس میں بی۔جے۔پی۔ کے بھی ورکرس آئیں گے، بی۔ایس۔پی۔ کے بھی ورکرس آئیں گے اور سماجوادی کے بھی آئیں گے۔ مریض کسی پولیٹکل پارٹی سے نہیں ہوتا ہے۔ اسی طرح سے امیٹھی میں میں نے ریجنل کینسر سینٹر دیا تھا۔ اس کے لئے تو ابھی زمین بھی ایکوائر نہیں کی ہے، وہ پروجیکٹ ہے بھی یا نہیں ہے؟ مانئے ڈپٹی چیئرمین صاحب، یہ بہت سنجیدہ موضوع ہے کہ اگر سرکار کی اس طرح کی دھارنا وپکش کے نیتاؤں کے تئیں ہو، تو یہ بہت افسوس کی بات ہے۔

श्री एम. वेंकैया नायडु: यह आरोप लगाकर, फिर ऐसा नारा लगाना, यह तो अलग बात है। इसका कोई समाधान नहीं हो सकता है। The Chair also should bear with us, Sir. You have allowed three people to speak on the same issue.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: They had given a notice.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I have no problem. Even if somebody has given a notice, -- you are aware of that rule and I am also aware of that rule -- they will associate themselves. I have no problem because seniors like Ghulam Nabiji, Rajeev Shuklaji, and Pramodji are concerned.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You may say whatever you want to say.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: What we are speaking here is going to the people. So, the Government's response also should be allowed to go to the people.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is allowed.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: You bear with me, Sir. My point is, I agree with the principle which has been raised by Shri Ghulam Nabi Azad and other friends. बदले की भावना नहीं होनी चाहिए। यह सरकार इस भावना से न सोचती है और न कार्य करती है, मगर जो तीन मुद्दे आपने बताए हैं, उनके बारे में मैं जानकारी इकट्ठी करूंगा। मेरे पास फूड पार्क के संबंध में जानकारी है। ...(**व्यवधान**)... We also discussed the issue the other day. Even the decision was taken during the UPA Government. If you want, you can go through the files also. For that also, if we start accusing this Government about land acquisition, about the

availability of land, etc., it is not good. It is a State issue. Even Ghulam Nabiji also just now said that the land is not acquired. There are different views on different issues, but anyhow, as senior Members have raised it, i will convey it to the concerned Ministers and then, they will definitely look into this. But I can assure the House that there is no question of taking revenge. Any Government which comes into power will have their own schemes. That has been the practice. Shri Atal Bihari Vajpayee's name used to be there in the National Highway. That has been removed. Then, in Valmiki Ambedkar Yojana, Ambedkar's name has been removed subsequently. N. T. Rama Rao's name has been removed from the airport. Who did this? Let us not try to score political points and criticise each other. Facts have to be facts. As you raised now about the two constituencies, Amethi and Rae Bareli, I will definitely tell the concerned Ministers. They will examine it also and I will ask them to inform you what are the reasons and what is the background of it. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing more about that. Dr. Satyanarayana Jatiya.

Need for rehabilitation and provision of social security to Scheduled Castes involved in sanitation work

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, आर्थिक वैश्वीकरण के कारण तेजी से बदलाव के इस दौर में मैं decent work की समस्याओं के संबंध में अपनी बात सदन के सामने रखना चाहता हूं।

महोदय, आर्थिक वैश्वीकरण के कारण दुनिया में तेजी से आ रहे आर्थिक बदलाव के संबंध में मजदूरों और उनके काम करने के हालात को अच्छा बनाने के लिए, कामगारों के प्रति अच्छे व्यवहार की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, यह देखने में आता है किं अस्वच्छ धधों में सफाई के काम में लगे कामगारों के प्रति, tannery में लगे कामगारों के प्रति और ऐसे खतरनाक कामों में लगे सभी मजदूरों के प्रति जिस प्रकार की जागरूकता होनी चाहिए और उन्हें जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वह उन्हें नहीं मिल पाती हैं। उनके प्रति समाज में जो सम्मान का भाव होना चाहिए, वह भी उन्हें नहीं मिल पाता है।

महोदय, हमारे यहां कहा गया है कि "काम ही पूजा है", परंतु जो लोग ऐसे काम में लगे हैं, यदि उनके प्रति लोगों में दुराव का भाव होगा, उनके प्रति नफरत का भाव होगा, तो निश्चित रूप से हम एक बड़ी बात को छोड़ देंगे। हमने भारत के संविधान में कहा है कि अस्पृश्यता का अंत कर दिया गया है, लेकिन अस्पृश्यता अभी भी समाज में स्पष्ट रूप से दिखायी देती है। महोदय, ऐसे कामों में लगे जो मेहनतकश लोग हैं, जो अस्वच्छ धंधों में लगे कामगार हैं, उन लोगों के प्रति दुराव का भाव समाज से जाना चाहिए। मैं निश्चित रूप से कहना चाहता हूं कि Decent work needs decent behavior, यह हमारी सभ्यता और प्रगति का द्योतक है। हमने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था, उसके पीछे भी यही भाव था। महोदय, मेरे ध्यान में एक prose की पंक्तियां आती हैं कि, God didn't create a man